3441031/021

(2)

प्रमुख अभियंता व्दारा दिनांक 4.3.2017 एवं 05.03.2017 को खान डायवर्सन एवं गांधीसागर बांध संभाग के कार्यों का निरीक्षण प्रतिवेदन

314
14-3-17

खान डायवर्सन परियोजना –ज़िला उज्जैन

4 मार्च 2017 को अधोहस्ताक्षरकर्ता व्दारा लगभग 4 बजे अपरान्ह उज्जैन पहुंचकर मुख्य अभियंता नर्मदा ताप्ती कछार, इंदौर, अधीक्षण यंत्री, जल संसाधन मंडल, उज्जैन, एवं कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग उज्जैन एवं ठेकेदार व संबंधित अधिकारियों के साथ खान डायवर्सन परियोजना, जो सिंहस्थ 2016 के लिये क्रियान्वित की गई थी, का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि इस परियोजना का सम्पूर्ण कार्य दिसम्बर 2016 में पूर्ण किया जा चुका है एवं वर्तमान में इंदौर शहर से आ रही खान नदी के पानी को पूर्णतः डायवर्टेड रूट पर तैयार कर छोड़ा जा रहा है जिसे क्षिप्रा के शुद्ध जल में मिलने नहीं दिया जा रहा है। खान नदी के लगभग 18 कि.मी. लम्बे रास्ते में भ्रमण किया गया एवं इसके 17 कि.मी. पर स्थित सदावल नाले के मिलन स्थल का निरीक्षण किया गया। यहॉ पर सदवाल नाले का पानी खान डायवर्सन परियोजना के साथ एक वैल बनाकर प्रवाहित किया जा रहा है। इस परियोजना के अन्तर्गत प्रति डेढ़ कि.मी. में एक कुएं का प्रावधान किया गया है जिससे स्थानीय कृषक यदि सिंचाई हेतु पानी उठाना चाहते हैं, तो उठा सकते हैं।

अधीक्षण यंत्री, उज्जैन व्दारा बताया गया कि इसके 2900 आर.डी. पर, जहॉ पाईप के जोड़ खुलने पर बारिश में मिट्‌टी जमा हो गई थी, पर वांछित मरम्मत कार्य करवा लिया गया है। इसी प्रकार आर0डी. 13000 मी. पर भी पानी के प्रवाह में आने वाले अवरोधों के दूर किया जा चुका है तथापि उनके व्दारा यह भी बताया गया कि ठेकेदार से वर्तमान में पानी प्रवाह, जो लगभग एक से डेढ क्यूमेक है, बंद होने के पश्चात निरीक्षण किया जाकर आवश्यकतानुसार ~~Shot Concreting~~ Shotcreting का कार्य कराया जाना शेष है। इसे शीघ्र पूर्ण करवाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। खान डायवर्सन परियोजना के अन्तिम स्थल, जहॉ आउट फाल स्ट्रक्चर निर्मित है एवं यहॉ से खान नदी का पानी पुनः कालियादेह महल के पास क्षिप्रा में प्रवाहित किया जा रहा है, का भी निरीक्षण किया गया। निर्देशित किया गया कि रिटेनिंगवाल पर एक ब्रेस्ट वाल बनायी जावे एवं फिलिंग को व्यवस्थित तरीके से ड्रेसिंग कर पिचिंग करायी जावे।

गांधीसागर बांध, जिला मंदसौर

दिनांक 05.03.2017 को अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा गांधीसागर बांध संभाग, गांधीसागर के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यो का निरीक्षण निम्न अधिकारियों व ठेकेदारों के साथ किया गयाः–

1. श्री एम.एस.डाबर, मुख्य अभियंता, नर्मदा ताप्ती कछार, जल संसाधन विभाग, इन्दौर
2. श्री एच.एन.गुप्ता, अधीक्षण यंत्री, जल संसाधन मण्डल, उज्जैन
3. श्री पवन कुमार गुप्ता, कार्यपालन यंत्री, गांधीसागर बांध संभाग, गांधीसागर
4. श्री नृपेन्द्र प्रताप देव, अनुविभागीय अधिकारी, गांधीसागर बांध उपसंभाग क्रं. 1 गांधीसागर

Ravi

5. श्री रतनसिंह मीणा, अनुविभागीय अधिकारी, गांधीसागर पुनर्वास उपखण्ड क्रं. 2 गरोठ
6. श्री डी.के.सिंह, अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन उपसंभाग, भानपुरा
7. श्री मालसिंह चौहान, सहायक यंत्री, प्रभारी अधिकारी भानपुरा नहर परियोजना यूनिट – 2
8. श्री जे.सी.बागड़ी, उपयंत्री गांधीसागर बांध अनुविभाग क्रं. 1
9. श्री एम.एल.त्रिवेदी, उपयंत्री गांधीसागर बांध अनुविभाग क्रं. 1
10. श्री विनोद तिवारी, उपयंत्री जल संसाधन उपसंभाग भानपुरा
11. श्री दीपक व्यास, उपयंत्री गांधीसागर पुनर्वास उपखण्ड क्रं. 2 गरोठ
12. श्री सतनाम सिंह, प्रोजेक्ट मेनेजर, सद्भाव इंजीनियरिंग लिमिटेड अहमदाबाद
13. श्री मनीश गुप्ता, प्रोजेक्ट मेनेजर फलोदी कन्स्ट्रक्शन एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राईवेट लिमिटेड इन्दौर

<u>भानपुरा नहर परियोजना यूनिट – 1</u> यह कार्य सद्भाव इंजीनियरिंग लिमिटेड अहमदाबाद को टर्न–की आधार पर दिनांक 31.01.2014 को रू. 117.50 करोड़ का स्वीकृत किया गया था। इस योजना से भानपुरा तहसील एवं गरोठ तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में 12500 हे. में सिंचाई क्षमता निर्मित किये जाने एवं इन तहसीलों के 36 एवं 72 ग्रामों को लाभ रेवा बैराज से जुड़ी नहर से देने हेतु प्रस्तावित किया गया है, इस योजना में गांधीसागर भराव क्षेत्र से 383.16mt लेबिल से 24 Cumecs जल प्रवाह हेतु 2 Inlet Barrel (3.00X3M) 3430MT बनाये जाकर एक कन्ट्रोल स्ट्रक्चर से जोड़े जाने थे, जिसका inner dia. 14m है, फिर Control Chamber से (3.25X2.75m के Twin barrel, Cut & Cover के माध्यम से 4390मी बनाया जाकर 1280मी. लम्बी Open Canal में छोड़ा जाकर, इस नहर को भानपुरा कस्बे से जाने वाली रेवा नदी से जोड़ी जाकर पानी का प्रवाह रेवा नदी के माध्यम से 3.5 कि.मी दूर 85मीटर का बैराज बनाया जाकर उसमें एकत्रित किया जाना था, बैराज का न्यूनतम लेविल 379.40मी. एवं अधिकतम जल स्तर में 383. 00 मी. रखा गया है, इस बैराज से H.R. के द्वारा दायी तट नहर में पानी छोड़ा जाना है, H.R. पर Sill level 381.00मी रखा गया है। बैराज की क्षमता 0.1मि.घ.मी. है।

वर्तमान में कन्ट्रोल चेम्बर से रेवा नदी तक का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है, एवं कन्ट्रोल चेम्बर से गांधीसागर बांध तक Inlet Barrel का कार्य आर.डी. से 2480 से 2810, आर.डी. 2840 से 2960, आर.डी. 3150 से 3430 तक कुल 730 मी बैरल का कार्य पूर्ण किया गया है, गांधीसागर बांध मे निरीक्षण दिनांक को 396.295 मी. जल स्तर था। कार्य स्थल पर आर.डी. 3150 मी. पर बैरल में लगी हुई, प्लेट लेवल 382.56मी. से निकालने के प्रयास किये जा रहे थे, जिससे कि भानपुरा नहर परियोजना से पानी आगे छोड़ा जा सकें। बताया गया कि आर.डी. 3160 पर Cofferdam बनाया जाकर कार्य प्रारम्भ किया गया था किन्तु Cofferdam के U/s में 396.30 मी तक पानी होने के कारण D/s में लगभग 390 मी के लेविल के बाद अत्यधिक कीचड़ आने से मिट्टी बार–बार नीचे धसक रही थी, अतः एक अन्य Cofferdam RD 3000 पर बनाया गया था।

आर.डी. 3000 स्थित बंड के D/s से Dewatering की जा रही थी पानी का वर्तमान में दोनों बंडो के बीच जल स्तर लगभग 393.30 मी बताया गया था। कार्यस्थल की मिट्टी Slushy होने के कारण खिसकते हुये पाई गई। अतः निर्देशित किया गया कि ऐसी स्थिति में अस्थाई व्यवस्था के तहत् पानी चलाये जाने पर मिट्टी कीचड़ बनकर Twin Barrel को बंद भी कर सकती है, जिसे साफ किया जाना कठिन होगा। चूँकि Inlet की आर.डी. 3000 से पहले गांधीसागर जलाशय में 396.30 मी. स्तर तक पानी भरा हुआ है, जो वर्तमान में कम होने की न्यूनतम संभावना है। अतः इस आर.डी. पर स्थाई समाधान हेतु एक अन्य Inlet Well जिसमें अलग–अलग स्तर पर Sluice गेट्स प्रावधानित हों बनाया जावे। इसे 15 जून तक पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। इस हेतु इसके तीन तरफ की मिट्टी को उचित तरह से 4:1 के स्लोप में जगह–जगह बड़े–बड़े Berm बनाये जाने एवं सबसे नीचे Gabion Structure बनाकर खिसकने वाले मिट्टी को रोकने हेतु निर्देश दिये गये।

तत्पश्चात Open Canal एवं रेवा नदी के मिलन स्थल का निरीक्षण किया गया। इस स्थल पर Open Canal के स्ट्रक्चर का बेड लेबिल 381.50 मी है। रेवा नदी का बेड लेविल 385.50 बताया गया। बताया गया कि नदी के लेवल को केनाल बेड लेबल से मिलाने के लिये एक अन्य टेण्डर रू. 1.64 करोड़ का लगाया गया है, जिसे 21.03. 2017 को खोला जाना प्रस्तावित है। यह लेबिल मिलाना आवश्यक है, क्योंकि प्रवाह होने पर पूरे सिस्टम में 385.50 के स्तर पर पानी भर जावेगा एवं पूर्ण सिस्टम में Silting की समस्या सतत् बनी रहेगी। इस पर सहमति व्यक्त की गई।

गरोठ सूक्ष्म सिंचाई वृहद परियोजना – इस योजना की प्रशासकीय स्वीकृति मध्यप्रदेश शासन से रू. 360.20 करोड़ की आदेश क्रं. 22(A) 321/MPS/31/52 भोपाल दिनांक 13. 01.2016 द्वारा दी जाकर इसकी निविदा दिनांक 22.07.2016 को रू. 354.96 करोड़ ऑफशोर इन्फ्रास्ट्रक्चर मुम्बई के लिए टर्न की आधार पर स्वीकृत की गई थी। इस योजना से भानपुरा एवं गरोठ तहसील के 72 ग्रामों को 21400 हेक्टर में दवाबयुक्त प्रणाली द्वारा स्प्रिंकलर पद्धति से सिंचाई प्रस्तावित योजना में कृषकों के खेतों में 0.6 हेक्टर से 1.2 हेक्टर चक तक 20मी. पानी के दवाब से सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है। स्प्रिंकलर कृषकों द्वारा स्वयं लगाये जावेगें। इस योजना में दो जगह से पानी प्रदाय किया जाना है, प्रथम गरोठ सिस्टम हेतु कन्ट्रोल स्ट्रक्चर के अपस्ट्रीम से 15000 हेक्टर हेतु 5 Cumec पानी छोड़कर एवं द्वितीय रूपा सिस्टम हेतु रेवा बैराज से 6,400 हेक्टर हेतु 2.1 Cumec पानी छोड़कर। योजना में गरोठ सिस्टम के पम्प हाऊस हेतु 1482HP के 4+1=5 पम्प एवं रूपा सिस्टम हेतु रेवा बैराज के पम्प हाऊस पर 253HP के 4+1=5 पम्पों का प्रावधान रखा गया है।

गरोठ सिस्टम पर पम्प हाऊस से प्रथम BPT तक 2.89 कि.मी की राईजिंग मेन हेतु 12मी. लम्बाई के 1.945 Outer dia, thickness 15.50mt में प्रथम पाईप Guniting कर मेरे समक्ष में कार्य प्रारम्भ करवाया गया। राईजिंग मेन के पाईप एवं उसमें आने वाले Joints की विस्तृत चर्चा ऑफशोर के अभियंताओं से की गई एवं कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया गया कि प्रथम Joint के बनते समय उनके द्वारा स्वयं निरीक्षण किया

जाकर पूरी प्रक्रिया की वीडियोंग्राफी कर अधोहस्ताक्षरकर्ता को भेजें। परीक्षण परिणाम भी प्रमुख अभियंता कार्यालय को उपलब्ध करावें।

योजना के गरोठ सिस्टम की BPT का निरीक्षण में पाया गया कि BPT का कार्य द्वितीय स्टेज तक पहुँच चुका था, कांक्रीट की गुणवत्ता अच्छी पाई गई। कार्य की गुणवत्ता में Zero Tolerance की नीति अपनाते हुये कार्य को आगे करने के निर्देश दिये गये।

योजना के अंतर्गत स्थापित प्रयोगशाला पर राईजिंग मेन में लगाने हेतु पाईप की Guniting के चल रहे कार्य का निरीक्षण किया गया। पाईपों पर 30mm की Wire mesh (10cm c/c) तक लगाकर 1:3 में मोर्टार से Guniting की जा रही थी। 70 पाईपों की Guniting की जा चुकी थी, एवं जूट बेग डालकर तराई की जा रही थी, जूट की पूरी पट्टी पाईप के चारों तरफ डालने एवं तदुपरांत तराई करने हेतु निर्देशित किया गया। Guniting की मोटाई कई पाइपों में चेक कराई गई, जो निर्धारित3 सें.मी. अनुसार पाई गई।

Rising Main के पाईप Jindal tublar limited company Pithampur से बनाये जाकर लाये गये थे, जिन्हें वि/यां अधिकारियों द्वारा Company से Random आधार पर चेक कर भेजा गया था। कार्यस्थल पर मैदानी अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता निर्धारित मापदण्डों अनुरूप करने हेतु निर्देशित किया गया।

तत्पश्चात रेवा बैराज स्थित रूपा सिस्टम का निरीक्षण किया गया इसके बाई H.R. तरफ के आगे से रूपा सिस्टम पम्प हाऊस एवं BPT Tank पास–पास बनाना है, जिसे शीघ्र प्रारंभ करने हेतु निर्देशित किया गया। ठेकेदार को निर्देशित किया गया कि रूपा सिस्टम से वर्ष 2017–18 में सिंचाई प्रस्तावित की जाना है, अतः 10/2017 तक रूपा सिस्टम बनाकर पूर्ण करें।

भानपुरा नहर परियोजना यूनिट 2 इस योजना की निविदा का 72.24 करोड़ की फलौदी कन्स्ट्रक्शन एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्र्स लिमिटेड इन्दौर को टर्न–की आधार पर स्वीकृत की गई है। इसका कार्य दिनांक 30.11.2015 से प्रारम्भ किया गया। निविदा के पूरी योजना का विस्तृत सर्वेक्षण कर रेखांकन, आंकलन, अनुमोदन एवं विस्तृत प्राक्कलन, चक निर्धारण शामिल है, योजना से 12500 हेक्टर हेतु सिंचाई प्रावधान प्रस्तावित है। योजनान्तर्गत 28.54 कि.मी की मुख्य नहर सहित 8.9 कि.मी की एक वितरिका, कुल 25.41 कि.मी की 8 माईनर, कुल 49.15 कि.मी की 30 सब माईनर का कार्य लाईनिंग सहित शामिल है, कुल 112 कि.मी की लाईनिंग एवं 458 Jack well तथा 22 Colaba प्रस्तावित है।

ठेकेदार श्री मनीष गुप्ता द्वारा बताया गया कि कुल 112कि.मी में से 108.61 कि.मी की खुदाई कार्य, 112 कि.मी में से 59.03 कि.मी. लाईनिंग कुल 205 में से 174 स्ट्रक्चर एवं 458 में से 309 जेकवेल का कार्य पूर्ण हो चुका है, एवं क्षेत्र की भौतिक स्थित अनुरूप जहॉ आवश्यकता है, वहॉ पर कुलावे भी लगाये जा रहे है, नहर निरीक्षण किया गया एवं कार्यपालन यंत्री को linig के Joints को तुरन्त भरने के लिये निर्देशित

किया गया। बताया गया कि 31 स्ट्रक्चरों का कार्य शेष है, जिन्हें इस माह में पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया । नहर में लाईनिंग कार्य प्रगति पर था, नहरों में 3 मी. से अधिक Cutting वाले क्षेत्र में निर्धारित मापदण्डों अनुरूप Berm बनाने हेतु निर्देशित किया गया। ठेकेदार द्वारा बताया गया कि लगभग 50 दिवस में शेष बचा कार्य पूर्ण कर लिया जावेगा। कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता एवं निर्धारित मापदण्डों अनुरूप कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया।

11/3/17
(राजीव सुकलीकर)
प्रमुख अभियंता,
जल संसाधन विभाग, भोपाल

पृष्ठांकन कमांक 3541031/24
भोपाल, दिनांक 14 मार्च, 2017

प्रतिलिपिः–

1– प्रमुख सचिव, म.प्र.शासन, जल संसाधन विभाग, मंत्रालय, भोपाल की ओर सूचनार्थ।
2– मुख्य अभियंता, नर्मदा ताप्ती कछार, जल संसाधन विभाग, इन्दौर
3– अधीक्षण यंत्री, जल संसाधन मण्डल, उज्जैन
4– कार्यपालन यंत्री, गांधीसागर बांध संभाग, गांधीसागर ।
5– कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, उज्जैन ।
की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित ।
6– बैव मैनेजर, कार्यालय विश्व बैंक परियोजनाएं, भोपाल की ओर बैव साईट में प्रदर्शित करने हेतु अग्रेषित ।

11/3/17
(राजीव सुकलीकर)
प्रमुख अभियंता,
जल संसाधन विभाग, भोपाल